चार नए लिंक एक्सप्रेसवे बनेंगे मुख्यमंत्री योगी ने मांगे प्रस्ताव

मुख्यमंत्री का **निर्देश** दिसंबर तक तैयार कर लें गंगा एक्सप्रेसवे

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : बुंदेलखंड की जीवनरेखा बन चुके बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को चित्रकूट से जोड़ने के लिए प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे के साथ ही बेहतर कनेक्टिविटी के लिए तीन और नए लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उच्चस्तरीय बैठक में एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाली गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण हर हाल में दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य भी तय किया, ताकि प्रयागराज कुंभ 2025 में श्रद्धालु गंगा एक्सप्रेसवे पर यात्रा का लाभ उठा सकें।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक्सप्रेसवे कवरेज को और विस्तार देने की आवश्यकता है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस को चित्रकूट से जोड़ने की कार्रवाई तेज की जाए, इसके लिए बजट भी जारी हो चुका है। सीएम योगी ने कहा कि जेवर में विश्वस्तरीय एयरपोर्ट बन रहा है, इसे एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाना चाहिए। गंगा एक्सप्रेसवे से जेवर एयरपोर्ट तक लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया जाना उचित होगा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल तक लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे से आगरा-लखनऊ तक वाया फर्रुखाबाद एक नया लिंक एक्सप्रेसवे बनाया जाना चाहिए। चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के साथ ये तीन नए एक्सप्रेसवे तरक्की की गति तेज करने वाले होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते सात वर्ष में उत्तर प्रदेश के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। 2017 तक मात्र दो एक्सप्रेसवे वाले देश में आज छह एक्सप्रेसवे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग भी सात वर्ष पहले की तुलना में लगभग दोगुने हो गए हैं। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। कहा, गोरखपुर, संतकबीरनगर आजमगढ़ और अंबेडकरनगर के लिए यह शानदार कनेक्टिविटी का माध्यम बनेगा। निर्माण समय पर पूरा हो।

- आगरा-लखनऊ से जुड़ेगा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे में तेजी लाने का निर्देश
- दो लिंक एक्सप्रेसवे से फर्रुखाबाद और जेवर एयरपोर्ट तक होगी गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • फाइल

डिफेंस कारिडोर में हुआ 24 हजार करोड़ का निवेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा उद्योग में देश-दुनिया की बड़ी रक्षा उत्पाद निर्माता कंपनियां निवेश कर रही है। अब तक 24 हजार करोड़ से अधिक का निवेश डिफेंस कारिडोर में हो चुका है। लखनऊ नोड में ब्रम्होस एयरोस्पेस, एरोलाय टेक्नोलाजी, झांसी नोड मे भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, कानपुर नोड में अडानी डिफेंस सिस्टम, अलीगढ़ में एमिटेक इलेक्ट्रानिक्स और एंकर रिसर्च लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियां अपनी इकाई लगा रही हैं। नए प्रस्तावों के संबंध में तत्काल निर्णय लें। कोई भी प्रस्ताव लंबित न रखें।

भूमि अधिग्रहण तेजी से पूरा करने का दिया निर्देश

- लखीमपुर खीरी मे बायो प्लास्टिक मैनुफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना के लिए भूमि क्रय की प्रक्रिया तेज की जाए।
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करें। निवेशक को भूमि उपलब्ध कराने और अन्य रियायतें देने मे न हो विलंब।
- बदलती परिस्थितियों के बीच प्राधिकरणों के बाइलाज को अपडेट करने की आवश्यकता है। नियमों को और अधिक निवेश अनुकूल बनाया जाना चाहिए।
- औद्योगिक विकास प्राधिकरण बीमार औद्योगिक इकाइयों की भूमि नए निवेशकों को उपलब्ध करने के लिए नीति तैयार करें।
- औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही प्रारंभ करने में अनावश्यक विलंब न हो। किसानों को मुआवजा तत्काल दिया जाए।
- औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में लैंडबैंक के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज की जाए।
- बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) में भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही में लाई जाए तेजी।
- दादरी मे मल्टीमाडल लाजिस्टिक्स हब (एमएमएलएच) एवं बोराकी में मल्टीमाडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) के विकास की प्रक्रिया तेज की जाए।